

Roll No.	:
Unique Paper Code	: 121302304
Title of the Paper	: सिद्धान्तकौमुदी (तिङ्गन्त) (Siddhantakaumudi (Tinanta)
Name of the Course	: M.A. Sanskrit, LOCF, January-2024
Group:	: D
Semester	: III
Duration	: 3 Hours
Maximum Marks	: 70

इस प्रश्नपत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper

टिप्पणी: अन्यथा आवश्यक न होने पर इस प्रश्न-पत्र का उत्तर संस्कृत या हिन्दी या अंग्रेजी किसी एक भाषा में दीजिए, परन्तु सभी प्रश्नों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Note: Unless otherwise required in a question, answers should be written in **Sanskrit** or in **Hindi** or in **English** but the same medium should be used throughout the paper.

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक विभाग से एक-एक सूत्र की सोदाहरण व्याख्या कीजिए। 4x6=24
 Explain with example **one Sutra** from the each part from the following.
 - i. अस्मद्युत्तमः, लिङ्: सलोपोऽनन्त्यस्य, इणः षीघ्रंलुड्लिटां धोऽड्गात्, लिट्यन्यतरस्याम्
 - ii. भीहीभूत्वां शुवच्च, भ्रस्जो रोपधयो रमन्यतरस्याम्, क्रयादिभ्यः श्वा
 - iii. हेतुमति च, रुदविदमुषग्रहिस्वपिप्रच्छः संश्व, धातोरेकाचो हलादेः क्रियासमभिहारे यड्
 - iv. सुप आत्मनः क्यच्, काम्यच्च, उपमानादाचारे, क्यस्य विभाषा

2. निम्नलिखित में से प्रत्येक विभाग से दो-दो शब्दों की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रदर्शित कीजिए। 4x4=16
 Quoting the relevant Sutras derive **two** from the each part of the following.
 - i. भवेत्, घन्ति, एधताम्, अगात्, दोधि
 - ii. जुहुतः, दत्तः, करोति, सुन्वन्ति, अरुणत्

3. निम्नलिखित में से प्रत्येक विभाग से दो-दो शब्दों की सिद्धि-प्रक्रिया को सम्बद्ध सूत्रोल्लेखपूर्वक प्रदर्शित कीजिए। $4 \times 4 = 16$

Quoting the relevant Sutras derive **two** from the each part of the following.

- i. अबीभवत्, बोभूयते, पिपठिषति. बोभोति, स्थापयति
- ii. पुत्रीयति, कृष्णति, राजीयति, कष्टायते, विष्णूयति

4. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणी कीजिए, जिनमें से एक संस्कृत में होनी चाहिए।

$07 \times 02 = 14$

Write notes on any **two** of the following, one of which should be written in Sanskrit.

- i. अभ्यास संज्ञा एवं उसके कार्य
- ii. शबादि विकरण प्रत्यय
- iii. सार्वधातुक संज्ञा एवं उसके आश्रित कार्य
- iv. अड्डग संज्ञा एवं उस के आश्रित कार्य